धैर्य का पाठ (जातक कथा)

अभ्यास-माला

1. आओ, इस कहानी को कक्ष में अपने ढंग से सुनाएं।

उत्तर : कहानी पढ़कर विद्यार्थी स्वयं सुनाएँ।

2. इस तरह की जातक कथाओं का संग्रह करो और उनमें से अपनी पसंद की एक कहानी कक्षा में सुनाओं।

उतर : विद्यर्थी सवयं करे।

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रशनी के उत्तर दो:

(क) गौतम द्ध कह ज रहे थे।

उत्तर : गौतम बुद्ध एक गाँव से दुसरे गाँव पैदल जा रहे थे।

(ख) द्ध अपने शष्य a क्या कहा ?

उत्तर : बुद्ध ने अपने शिष्य से कहा- 'बहुत प्यास लगी है। कहीं से थोड़ा जल ले आओ।'

(ग) शषय जल लाने के लिए कहा गया ?

उत्तर : शिष्य जल लाने के लिए एक पोखर के पास निकल गया।

(घ) पोखर क जल गंदा क्यो हो गया ?

उत्तर : पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वही से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया।

(ङ) अंत द्ध शष्य से क्या कहा ?

उत्तर : अंत में बुद्ध ने शिष्य को पास बुलाकर कहा- 'इस छोटी सी बात को तुम सदा याद रखना। इससे तुम्हें धैर्य का पाठ मिलेगा। जब भी तुम्हारा मन अशांत हो, तो उसे थोड़ा समय देना। मन की मलीनता और अशांति बैठ जाएगी। मन अपने आप शांत हो जाएगा।'

(च) बुद्ध की अनमोल बातों का शिष्य पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तरः बुद्ध की अनमोल बातों का शिष्य पर गहरा प्रभाव पड़ा। उसका चित्त प्रसन्न हो गया।

4. प्रस्तुत जातक कथा से हमें क्या सीख मिलती है ? आओ, चची करें।

उत्तर : प्रस्तुत जातक कथा से हमें यह सीख मिलती है कि धैर्य ही सफलता की पुंजी है।'

5. देखो, समझो और बताओ :

(क) तुम अपने विद्यालय कैसे आते-जाते हो ? चित्र देखकर सही का निशान लगाओ और बताओ :

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करे।

(ख) तुमने इनमें से किस साधन पर टिकट पैसा और मुफ्त में सवारी की है ?

उत्तर : बस- टिकट लगेगा, रिक्शा पैसा लगेगा, साइकिल मुफ्त, गोदी मुफ्त, बैलगाड़ी मुफ्त, रैलगाड़ी टिकट लगेगा।

(ग) पुराने जमाने में लोग किन स्रोतों से जल पीते थे, आओ जाने :

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करे।

(घ) आजकल पोखर, नदी झरने आदि का जल प्रदुषित होने के कारण पीने लायक नहीं माना जाता है। तुम शुद्ध पेयजल के लिए इनमें से कौन-से स्रोत का उपयोग करते हो ? चिह्नित करो :

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करे।

6. निम्नांकित प्रश्नों के दिए उत्तरों में से एक सही है। सही उत्तर का चयन करो :

(क) गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव .....जा रहे थे।

(अ) पैदल।

(आ) घोड़े पर।

(इ) हाथी से।

(ई) पालकी पर।

उत्तर : (क) गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव पैदल जा रहे थे।

(ख) शिष्य पोखर की तरफ बढ़ा तो ..... डरकर जल से होता हुआ निकल भागा।

(अ) बकरी।

(आ) बैल।

(इ) सियार।

(ई) गाय।

उत्तर : (ख) शिष्य पोखर की तरफ बढ़ा तो बैल डरकर जल से होता हुआ निकल भागा।

(ग) बुद्ध ने शिष्य से कहा, ...लेकर ही लौटना।

(अ) फल।

आ) जल।

(इ) दूध।

(ई) कपड़ा।

उत्तर : (ग) बुद्ध ने शिष्य से कहा, जल लेकर ही लौटना।

7. (क) आओ, इन वाक्यों में प, ज, ब और ग कितनी बार आए है, खोजें और घेरें: पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया।

उत्तर : पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया।

उपर्युक्त वाक्यो में 'प' दो बार, 'ज' चार बार, 'ब' तीन बार और 'ग' पाँच बार आए हैं।

(ख) आओ, पाठ में आए इन शब्दों को पढ़ें :

पोखर, बैल, बुद्ध, जल, गंदा, गाँव, गौतम

उत्तर : शिक्षक की मदद से विद्यार्थी स्वयं पढ़ें ।

(ग) आओ, अब हम म, न, भ, य, त, र, ल वर्णों को पाठ में ढूटें और इनसे बने शब्दों को पढ़ें:

र = रथ, राजा, रानी, रेल।

त = तालाब, तोता, किताब, कबूतर।

य = यज्ञ, धैर्य, यह, गाय।

ल = लाल, माला, गुलाल, जल।

म = मचली, मलिनता, माँ, माता।

भ = भालु, भाला, भारत, भोजन।

न = नाव, नयन, नल, नाना।

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करें।

8. आओ, अब इन वर्णों में से सही वर्ण चुनकर शब्दों को पूरा करें :

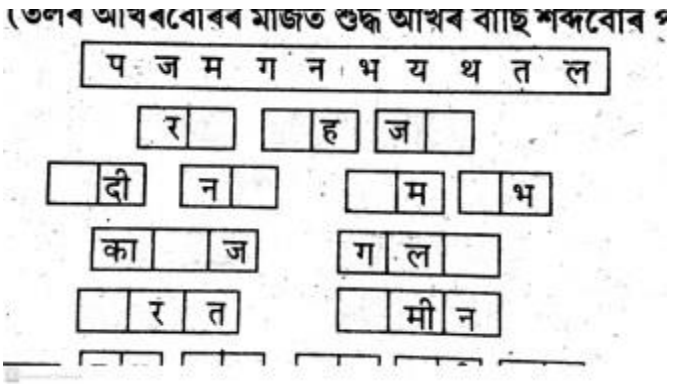

उत्तर :

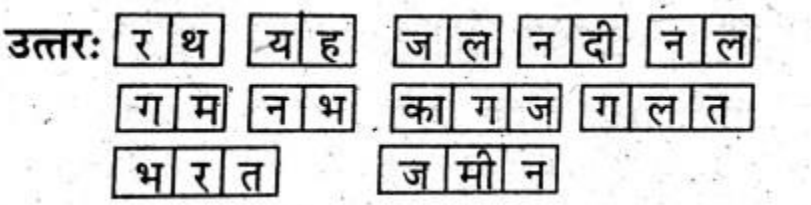

9. आओ, मात्राओं को सीखें और खाली जगह भरे :

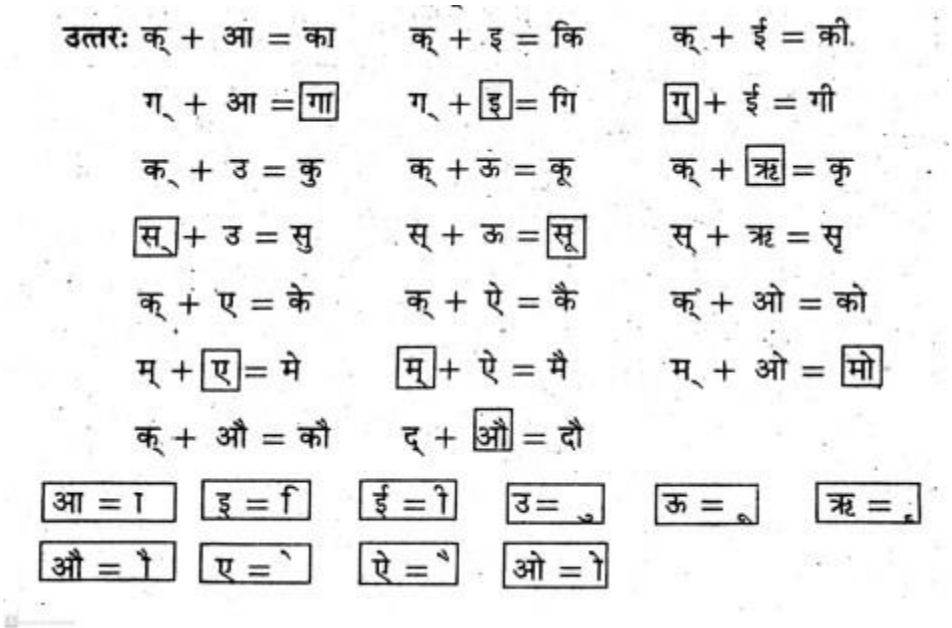

उत्तरः क् + आ = का   क् + इ = कि   क् + ई = की

ग् + आ = गा   ग् + इ = गि   ग् + ई = गी

क् + उ = कु   क् + ऊ = कू   क् + ऋ = कृ

स् + उ = सु   स् + ऊ = सू   स् + ऋ = सृ

क् + ए = के   क् + ऐ = कै   क् + ओ = को

म् + ए = मे   म् + ऐ = मै   म् + ओ = मो

क् + औ = कौ   द् + औ = दौ

आ = ा   इ = ि   ई = ी   उ = ु   ऊ = ू   ऋ = ृ

औ = ौ   ए = े   ऐ = ै   ओ = ो

10. आओ, यह भी जाने :

गौतम बुद्ध का जन्म ख्री. पू. 563 में वैशाख पूर्णिमा के दिन कपिलवस्तु नामक स्थान पर हुआ था। उनके बाल्यकाल का नाम सिद्धार्थ था। पूर्णिमा तिथि को उन्हें बोध प्राप्त हुआ था और अंत में उनका निर्वाण भी इसी तिथि को हुआ। वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे।